दैनिक भास्कर भोपाल 22-12-2021

भास्कर इन्फोग्राफिक

कामकाज के लिए पलायन में तेजी

सबसे ज्यादा लोग भारत से गए, अमेरिका पसंदीदा ठिकाना

अच्छी नौकरी, कारोबार और सुरक्षा की चाह में दुनिया में पलायन बढ़ा है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक कामकाज के लिए 2020 के मध्य तक, वैश्विक स्तर पर लगभग 28.06 करोड़ प्रवासी सामने आए। ये दुनिया की आबादी का 3.6% है। 2010 में प्रवासियों की संख्या 22 करोड़ थी।

जर्मनी दूसरा सबसे पसंदीदा देश

अमेरिका 1970 के बाद से यानी 60 साल से अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों का सबसे पसंदीदा देश है। यहां विदेशी मूल के लोगों की संख्या 2020 में लगभग 5.1 करोड़ थी।

देश में प्रवासियों की आबादी

अमेरिका	5.06 करोड़
जर्मनी	1.58 करोड़
सऊदी अरब	1.35 करोड़
रूस	1.16 करोड़
ब्रिटेन	94 लाख

कहां से आए प्रवासी

भारत	1.79 करोड़
मैक्सिको	1.12 करोड़
रूस	1.08 करोड़
चीन	1.05 करोड़
सीरिया	85 लाख

अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों में 12% शरणार्थी, दो दशक में दो गुने हुए

बीते साल दुनिया में अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों में 12% शरणार्थी शामिल थे।

दो दशक पहले यानी साल 2000 में शरणार्थियों की तादाद 9.5% थी।

साल 2000 और 2020 के बीच संघर्ष, संकट, उत्पीड़न, हिंसा या मानवाधिकारों के उल्लंघन से भागने वालों की संख्या दोगुनी होकर 1.7 करोड़ से बढ़कर से 3.4 करोड़ हो गई।

अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों में कामकाजी उम्र के लोगों की ज्यादा संख्या है। 2020 में कुल अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों में से 73 प्रतिशत की उम्र 20 से 64 वर्ष के बीच थी। दो दशक पहले प्रवासियों में इस उम्र के लोगों की संख्या 57 प्रतिशत थी।

▪ आंकड़े जून 2020 तक के, स्रोतः संयुक्त राष्ट्र

मंडल हेल्पलाइनः बीते एक साल में पहुंचे 1 लाख 37 हजार कॉल

ऑफलाइन-ऑनलाइन परीक्षा संबंधी विद्यार्थियों ने पूछे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेशभर में एक बार फिर कोविड-19 के संक्रमित मरीजों के आंकड़ों में बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में बढ़ते कोरोना संक्रमण ने एक बार फिर स्कूली बच्चों की चिंता बढ़ा दी है। नतीजन अब वह माध्यमिक शिक्षा मंडल की हेल्पलाइन का रूख अपना रहे हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल की हेल्पलाइन पर जनवरी से लेकर अब तक लगभग 1 लाख 37 हजार कॉल्स पहुंचे हैं। जानकारों की माने तो बच्चों की चिंता और जिज्ञासा का कारण कोरोना संक्रमण काल में लगातार हुए शैक्षणिक बदलाव, सिलेबस में कटौती, माशिमं द्वारा ब्लू प्रिंट में बदलाव, परीक्षाओं के ऑनलाइन-ऑफलाइन होने को लेकर अटकलें प्रमुख हैं।

ssmp

माशिमं की हेल्पलाइन 18002330175 पर आने वाले कॉल्स में 40 फीसदी कॉल एकेडमिक हैं। वहीं 30 फीसदी कोरोना व एग्जाम को लेकर और 30 फीसदी कॉल सिलेबस कटौती ओर अन्य चीजों को लेकर आए हैं। यानि हर माह हेल्पलाइन पर करीब 10 हजार कॉल आ रहे हैं। हालांकि अप्रेल, मई और जून में यह आंकड़ा 12 हजार के पार रहा है।

40% एकेडमिक, 30% कोरोना एग्जाम के प्रश्न

विद्यार्थियों के कॉल में एडमिट कार्ड कब आएगा, एग्जाम ऑफलाइन होगी अथवा ऑनलाइन होगी, एग्जाम में प्रश्न नए ब्लू प्रिंट या पुराने ब्लू प्रिंट से आएंगे, प्रश्न बैंक से कितने प्रश्न आएंगे इस प्रकार के सवाल विद्यार्थियों द्वारा अधिक पूछे गए हैं। हेल्पलाइन के लिए माशिमं ने 18 साइकोलॉजिस्ट की टीम, काउंसलर और विशेषज्ञों की टीम की व्यवस्था की है। जो तीन पालियों में काम करती है। बता दें कि हेल्पलाइन पर सभी दिवसों के लिए सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

जिस स्कूल में कभी पढ़े थे अभिनेता जॉनी वॉकर उस स्कूल को संवारेगा निगम

इंदौर ● सिटी ब्लास्ट

छावनी क्षेत्र के पहले सबसे पुराने संयोगितागंज बालक उ.मा.विद्यालय क्रमांक 1,जहां कभी ख्यात कॉमेडी अभिनेता जॉनी वॉकर सहित अन्य प्रसिद्ध लोग पढ़े थे, ऐसे ऐतिहासिक लगभग 300 साल पुराने सरकारी स्कूल को अब इंदौर नगर निगम संवारेगा। जिसको लेकर अफसरों द्वारा पिछले दिनों टेंडर जारी होने से पहले सारी प्लानिंग कर ली गई है।जिसके तहत एक करोड़ नब्बे लाख रुपए खर्चकर बरसों पुराने हेरीटेज जैसे स्कूल भवन को बगैर तोड़फोड़ के निगम थोड़े - थोड़े हिस्से में काम शुरू करेगा।

दरसअल निगम अफसरों का कहना है कि बरसों पुराना स्कूल भवन हेरीटेज होने से भवन की ऐतिहासिकता सुरक्षित रखेंगे।वहीं खास बात यह है कि पुराने स्कूल भवन का स्वरूप न बिगड़े इसके लिए इसे प्रशासन की देखरेख में बनाया जाएगा। जहां कवेलू और पतरे की छत खराब है वहां छत बदलेंगी। वहीं जहां क्लासरूम के फर्श उखड़ रही उन्हें बदला जाएगा। तीन चार खाली कमरों से काम शुरू होगा,जैसे जैसे काम पूरा होगा दूसरे कमरों में निगम काम शुरू कर देगा। निगम शाला प्रकोष्ठ के प्रभारी अधिकारी योगेंद्र गंगराड़े ने स्कूल के प्राचार्य राजकुमार चेलानी के साथ दौरा कर जल्द काम शुरू करवाने की बात कही।

इसी माह काम शुरू करेगा निगम

छावनी स्थित संयोगितागंज बालक उ.मा. विद्यालय क्रमांक1 के प्राचार्य राजकुमार चेलानी बताते है हमने कुछ कमरें खाली भी कर दिए है। निगम कभी भी काम शुरू कर सकता है। जब तक स्कूल जीर्णोद्धार का काम चलेगा बच्चों को स्कूल परिसर में बने नए कमरों में शिफ्ट किया जाएगा। इधर निगम शाला प्रकोष्ठ के अधिकारी गंगराड़े का कहना है इसी माह वर्क ऑर्डर जारी कर जल्द से जल्द स्कूल के जीर्णोद्धार के काम शुरू करने की तैयारी है।